रचनात्मक आकलन - I

5 अंक

5

उपकरण 1: छात्रों की भागीदारी और चिंतन

पुस्तक समीक्षा – 1 (F.A-1) 2026-27

छात्र का नाम	:_____
कक्षा	: 8
विषय	: हिंदी
पुस्तक का नाम	: पंचतंत्र – खंड – 5
कहानियों की संख्या	: 6
लेखक	: श्री योगेश जोशी
मूल्य	: ₹60/-
पृष्ठों की संख्या	: 30
पब्लिशर	: नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड, मुंबई
पात्र	: चूहा, शेर, गधा, साँप, बंदर आदि।
मुख्य विषय	: इस पुस्तक में रोचक एवं नीतिपरक कहानियाँ दी गई हैं। प्रत्येक कहानी हमें नैतिक मूल्यों की शिक्षा देते हुए समाज में सुरक्षा, समृद्धि और आनंदपूर्वक जीवन जीने का मार्ग सिखाती है।SS
शिक्षा	: मनुष्य के जीवन में अच्छा–बुरा होता ही रहता है। इससे कभी भी निराश नहीं होना चाहिए। ज्ञान ही मनुष्य की तीसरी आँख है।
मेरी राय	:प्राचीन काल से ही पंचतंत्र की कहानियाँ शिक्षाप्रद, ज्ञानवर्धक एवं बुद्धिमत्ता से परिपूर्ण रही हैं। ये मानव स्वभाव के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती हैं। इस पुस्तक की छहों कहानियाँ बच्चों और बड़ों, दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।
स्टार रेटिंग	: ★★★★★

https://hamari-hindi.com

https://hamari-hindi.com

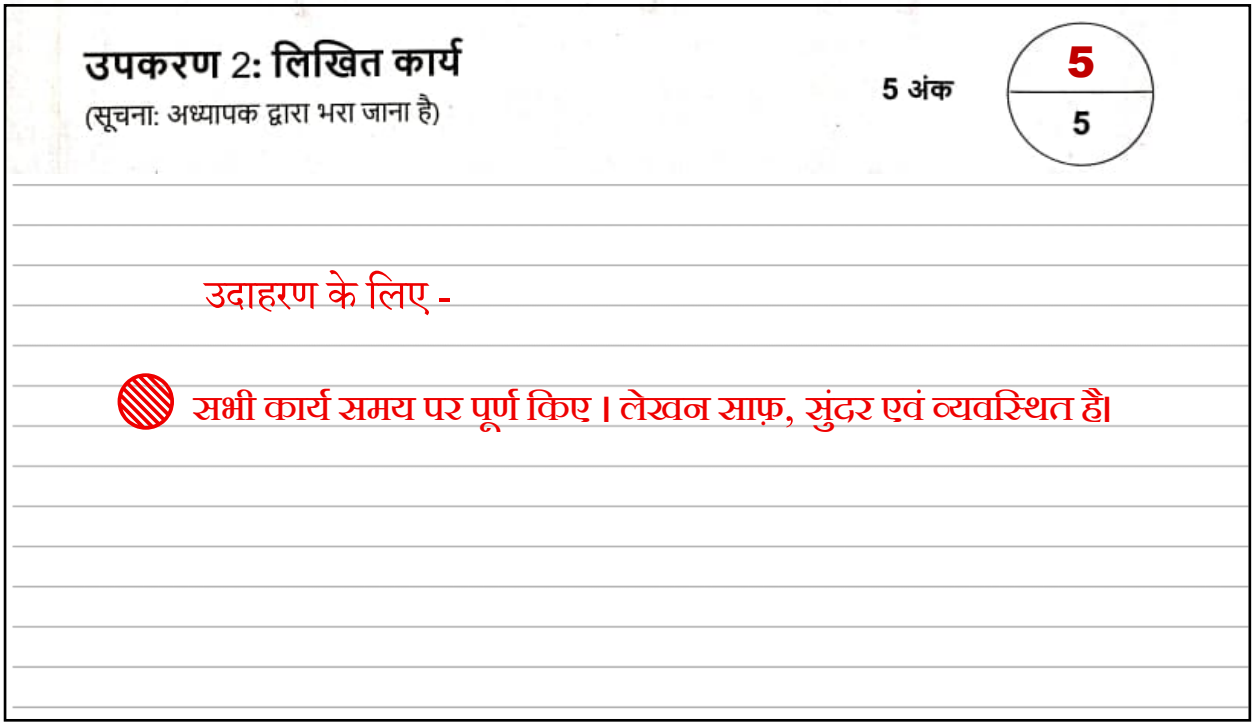

उपकरण 2: लिखित कार्य

(सूचना: अध्यापक द्वारा भरा जाना है)

5 अंक

5 / 5

उदाहरण के लिए -

सभी कार्य समय पर पूर्ण किए। लेखन साफ़, सुंदर एवं व्यवस्थित है।

इस स्थान पर, शिक्षक मूल्यांकन करते समय छात्र के लिखित कार्य के आधार पर संक्षिप्त टिप्पणी (remarks) लिख सकते हैं। नीचे कुछ **उदाहरण टिप्पणियाँ** दी जा रही हैं जो उस बॉक्स में लिखी जा सकती हैं।

टिप्पणी (Remarks) – 1 से 5 अंक के लिए (संक्षिप्त एवं सरल)

☑ **पूर्णांक (5/5) :**

सभी कार्य समय पर पूर्ण किए। लेखन साफ़, सुंदर एवं व्यवस्थित है।

☑ **4/5 अंक :**

अधिकांश कार्य समय पर किए। लेखन अच्छा है, थोड़े सुधार की आवश्यकता है।

☑ **3/5 अंक:**

कार्य संतोषजनक है। नियमित अभ्यास एवं अधिक ध्यान अपेक्षित है।

☑ **2/5 अंक:**

कार्य अधूरा एवं अनियमित है। नियमितता और सुधार की आवश्यकता है।

☑ **1/5 अंक:**

कार्य समय पर प्रस्तुत नहीं किया। अधिक अभ्यास एवं विशेष मार्गदर्शन आवश्यक है।

उपकरण 3: परियोजना कार्य

5 अंक

5

परियोजना कार्य – 1 (F.A-1) 2026-27

छात्र का नाम :

https://hamari-hindi.com

कक्षा : 8

विषय : हिंदी

पाठ का नाम : तेनलीराम की चतुराई

परियोजना कार्य की संख्या : 1 (F.A-1)

कार्य का आवंटन : सामूहिक / वैयक्तिक

उपकरण : ग्रंथालय की किताबें, पेंसिल, रबड, स्केचपेन्स, रंगीन चार्ट आदि।

तेनालीराम की कहानियाँ बहुत ही रोचक होती हैं। आप ऐसी ही एक कहानी संकलित करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

तेनालीराम और अंगूठी चोर

एक समय की बात है। विजयनगर के राजा श्री कृष्णदेव राय अपने दरबार में बहुत उदास बैठे थे। उनकी कीमती रत्नजड़ित अंगूठी कहीं खो गई थी। राजा को शक था कि उनके अंगरक्षकों में से किसी ने अंगूठी चुरा ली है।

तेनालीराम ने राजा की परेशानी को समझा और एक योजना बनाई। उन्होंने सभी अंगरक्षकों को एक पंक्ति में खड़ा किया और कहा, "मेरे पास एक जादुई छड़ी है। यह छड़ी चोर को पहचान लेगी। जब मैं इस छड़ी को चोर के पास ले जाऊँगा, तो यह छड़ी लंबी हो जाएगी।"

सभी अंगरक्षक डर गए। तेनालीराम ने छड़ी को एक-एक करके सभी के पास ले जाना शुरू किया। जब छड़ी एक अंगरक्षक के पास पहुँची, तो वह अंगरक्षक बहुत घबरा गया और उसने तुरंत अंगूठी निकालकर राजा के सामने रख दी।राजा कृष्णदेव राय तेनालीराम की बुद्धिमानी से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने तेनालीराम को इनाम दिया ।

राजा श्री कृष्णदेव राय तेनालीराम की बुद्धिमानी से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने तेनालीराम को इनाम दिया।

नीति : इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि बुद्धिमानी और चतुराई से किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है।

https://hamari-hindi.com